पत्रांक 8/67/60-2-15-2/3(27)/05टी0सी0

प्रेषक,

आलोक रंजन,
मुख्य सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तर प्रदेश।

महिला एवं बाल विकास अनुभाग-2 लखनऊ, दिनांक 12 जनवरी 2015

विषय- राज्य पोषण मिशन के अन्तर्गत कुपोषण व मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर प्रभावी नियंत्रण हेतु जनपद श्रावस्ती द्वारा किये गये सराहनीय कार्य के सम्बन्ध में।

महोदय,

आप अवगत हैं कि प्रदेश सरकार मातृ एवं शिशु पोषण व स्वास्थ्य के मानकों में सुधार लाने हेतु दृढप्रतिज्ञ है। कुपोषण की रोकथाम हेतु राज्य पोषण मिशन का शुभारम्भ माननीय मुख्यमंत्री के द्वारा की जा चुकी है। पोषण मिशन के सम्बन्ध में शासन एवं महानिदेशक, राज्य पोषण मिशन, उ0प्र0 द्वारा समय-समय पर आवश्यक निर्देश जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी को भी निर्गत किए गये हैं।

राज्य पोषण मिशन का मुख्य उद्देश्य मातृ तथा शिशु स्वास्थ्य व पोषण स्तर में गुणात्मक सुधार लाते हुये कुपोषण की दरों में कमी लाना है, जिसके क्रम में प्रत्येक जनपद से दो-दो गांव जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा गोद लेते हुये प्रभावी कदम उठाये जाने हेतु निर्देश पूर्व में निर्गत किये गये है।

शासन के संज्ञान में आया है कि जनपद श्रावस्ती में जिलाधिकारी श्री निखिल चन्द्र शुक्ला द्वारा हाल ही में सराहनीय पहल करते हुए चिकित्सा/स्वास्थ्य, बाल विकास, पंचायती राज सहित विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय कराते हुये ए0एन0एम0 सेन्टर पर जीवन कैम्प आयोजित कराये गये, जिनमें जनसामान्य द्वारा भारी संख्या में भागीदारी की गयी। इन कैम्पों में गर्भवती तथा धात्री महिलाओं व 0 से 5 वर्ष की आयु के बच्चों का पंजीकरण कराते हुए उनका स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया तथा रक्ताल्पता युक्त महिलाओं व कुपोषित/अतिकुपोषित बच्चों का चिन्हीकरण, टीकाकरण तथा उनके चिकित्सा/उपचार की व्यवस्था करायी गयी। साथ ही साथ कैम्प के माध्यम से प्रतिभागियों को स्वच्छता व स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते हुए

http://shasanadesh.up.nic.in/

गर्भवती महिलाओं के जननी सुरक्षा योजना में लाभ प्राप्त करने हेतु खाते खोले गये तथा उन्हें पोषाहार भी वितरित किया गया। इस प्रकार उक्त कैम्पों के माध्यम से एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवायें जनसामान्य को प्रदान करने का प्रयास किया गया जिसके फलस्वरूप लक्षित समूह तक पहुंचने में आशानुरूप सफलता प्राप्त हुई। तत्संबंधी परिणाम निम्नवत् हैं-

- 02 सप्ताह में कुल 130 स्थानों पर कैम्प आयोजित किये गये तथा 1,17,756 व्यक्तियों को उपचार सुविधायें दी गयीं।
- इन कैम्प के फलस्वरूप जनपद श्रावस्ती में 10-15 प्रतिशत टीकाकरण में वृद्धि हुई।
- कैम्प में 0-5 वर्ष के कुपोषित 4196, अतिकुपोषित 1256 बच्चों का चिन्हीकरण हुआ जो पूर्व में नगण्य थे।
- कुल 2,50,000 कि0ग्रा0 पोषाहार का वितरण हुआ जिससे संबंधित सभी लाभार्थी लाभान्वित हुये।
- 3401 महिलाओं के जननी सुरक्षा हेतु बैंक खाते खोले गये।
- भारी संख्या में आयरन/फोलिक एसिड, जिंक, ओ0आर0एस0, एमाक्सलिन/ एण्टीबायोटिक का वितरण किया गया।
- एनीमिया, कुपोषण तथा अन्य गंभीर रोग से ग्रसित 6,650 गर्भवती महिलाओं तथा अन्य रोग यथा-डायरिया, निमोनिया से ग्रसित 4,000 बच्चों को चिन्हित किया गया।
- लगभग 10,000 गर्भवती महिलाओं के रक्तचाप, हिमोग्लोबिन एवं पेशाब की जांच की गयी।

जनपद श्रावस्ती में जीवन कैम्प के दिन आयोजित की गई मुख्य गतिविधियां निम्नवत् हैं:-

- गर्भवती/धात्री महिलाओं का वजन, 0.5 वर्ष तक के बच्चों का वजन व स्वास्थ्य जांच।
- कुपोषित व अतिकुपोषित महिलाओं व बच्चों का चिन्हीकरण करके उनके स्वास्थ्य के सघन निगरानी की व्यवस्था।

  निम्न विषयों पर स्वास्थ्य पोषण परामर्श:-

  - बाल व मातृ स्वास्थ्य व पोषण,स्वच्छता, स्वच्छ पेयजल और हैण्डवाश।

http://shasanadesh.up.nic.in/

- जननी सुरक्षा योजना में प्रदत्त सुविधाओं यथा 102 एम्बुलेंस की सेवा, मुफ्त जांच, अस्पताल में 03 दिन मुफ्त भोजन व्यवस्था, 1400 रू की धनराशि के भुगतान के बारे में बताते हुए संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित किया गया।
- टीकाकरण, **Early breast feeding and exclusive breast feeding** तथा उपरी आहार के लाभ के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से बताया गया।
- कैम्प में डायरिया निमोनिया, एनीमिया जैसी घातक बीमारियों के प्रति सचेत करते हुए उसके रोकथाम व उपचार के उपाय भी बताये गये।

- सभी गर्भवती/धात्री महिलाओं व बच्चों को एकसाथ एक माह का अनुपूरक पोषाहार व हाटकुक्ड व मार्निंग स्नैक्स का वितरण किया गया।
- उपस्थित सभी गर्भवती महिलाओं के बैंक खाते कैम्प में खुलवाए गये ताकि भविष्य में जननी सुरक्षा योजना की धनराशि उनके खाते में सीधे अन्तरित की जा सके।
- सभी गर्भवती/धात्री महिलाओं की सभी आवश्यक जांच यथा ए0एन0सी0/पी0एन0सी0 कैम्प में ही करायी गयी। इनमें ब्लड प्रेशर, पेशाब, हीमोग्लोबिन मुख्य हैं।
- कैम्प में सभी आवश्यक सेवायें तथा मुख्य रूप से आयरन/फोलिक एसिड, जिंक, ओ0आर0एस0, एमाक्सलिन/एंटीबायोटिक का वितरण किया गया।
- कैम्प में सभी प्रकार का टीकाकरण यथा गर्भवती महिलाओं को टिटनेस टाक्साईड, बच्चों को बी0सी0जी0, डी0पी0टी0, जे0ई0, हेपेटाइटिस बी, मीजिल्स का टीका लगाया गया। बच्चों को विटामिन-ए की खुराक भी दी गयी।

उक्त सफल प्रयास हेतु की गई आधारभूत तैयारी एवं इस अभियान को संस्थागत स्वरूप प्रदान करने के लिए जनपद श्रावस्ती की रणनीति इस पत्र के साथ संलग्न है (संलग्नक 1)। जनपद श्रावस्ती में जीवन कैम्प के आयोजन एवं संचालन से सम्बन्धित फोटो एवं प्रेस क्लिपिंग आदि राज्य पोषण मिशन की वेबसाइट **www.snmup.in** पर उपलब्ध है।

अतः अन्य जनपद भी क्षेत्रीय आवश्यकताओ एवं उपलब्ध संसाधनों आदि का आंकलन करते हुये इस प्रकार के अभिनव प्रयास करने हेतु उन्मुख हों ताकि पोषण मिशन के उद्देश्यों की प्राप्ति संभव हो सके।

संलग्नकः-यथोक्त

http://shasanadesh.up.nic.in/

भवदीय़

आलोक रंजन
मुख्य सचिव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1- प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ0प्र0 शासन।
2- प्रमुख सचिव, पंचायतीराज, उ0प्र0 शासन।
3- प्रमुख सचिव, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, उ0प्र0 शासन।
4- प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास, उ0प्र0 शासन।
5- सचिव, बेसिक शिक्षा, उ0प्र0 शासन, लखनऊ।
6- आयुक्त, ग्राम्य विकास, उ0प्र0
7- आयुक्त, खाद्य एवं रसद, उ0प्र0।
8- निदेशक, पंचायतीराज, उ0प्र0।
9- निदेशक, बेसिक शिक्षा/माध्यमिक शिक्षा, उ0प्र0।
10- समस्त मण्डलायुक्त, उ0प्र0।
11- समस्त मुख्य विकास अधिकारी, उ0प्र0।
12- समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी, उ0प्र0।
13- समस्त जिला कार्यक्रम अधिकारी, उ0प्र0।

सदाकान्त
प्रमुख सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in/

संलग्नक 1

<u>कैम्प के सफल आयोजन हेतु जनपद श्रावस्ती की रणनीति</u>

□ अभियान मे बच्चों व महिलाओं के जीवन बचाने का प्रयास किया गया अतः इस अभियान को जीवन नाम दिया गया जिसका मुख्य थीम स्वास्थ्य सुविधायें द्वार पर रखी गई।

□ स्वास्थ्य उपकेन्द्र वार जनपद को उपलब्ध 123 क्लस्टर में बांटा गया एवं शहरी क्षत्रों को 7 क्लस्टरों में बांटते हुये प्रत्येक पर एक-एक जनपद स्तरीय नोडल अधिकारी नामित किया गया ।

□ कैम्प में विभागो की सहभागिता व लक्षित समूह की भागेदारी सुनिश्चित करने हेतु निम्न कदम उठाये गये-

- स्वास्थ्य विभाग से ए0एन0एम0 सेन्टरों की साफ-सफाई, रंगाई-पुताई सहित क्रियाशीलता सुनिश्चित करते हुये कैम्प दिवस के अनुमानित लक्षित समूह के सापेक्ष टीके, दवाइयां, महिला व बच्चों के अलग-अलग डाक्टर व सामान्य रोगों को देखने हेतु चिकित्सक का प्रबंधन सुनिश्चित किया गया। नेत्र परीक्षण की भी व्यवस्था करायी गई। इसी के सापेक्ष अलग-अलग काउन्टर लगाये गये। हाथ धोने के लिये जनपद में कार्यरत संस्थाओं का सहयोग लेते हुये साबुन की व्यवस्था की गई।

- आई0सी0डी0एस विभाग

□ स्वास्थ्य उपकेन्द्र द्वारा सेवित आंगनबाड़ी केन्द्रों की सूची बनाते हुये पंजीकृत गर्भवती तथा धात्री महिलाओं व 0 से 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों को लाये जाने हेतु कैम्प से पूर्व ही जनसंपर्क कर ग्राम स्तर पर प्रचार-प्रसार करते हुये विभागीय योजनाओं से संबंधित पैम्फलेट बांटे गये तथा प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र की 16.18 वर्ष की तीन-तीन किशोरियों की पांच टीमें कैम्प दिवस पर लक्षित लाभार्थिओं को प्रेरित कर लाये जाने हेतु बनाये गये।

□ स्वास्थ्य उपकेन्द्रवार एक-एक मुख्य सेविका को नोडल बनाया गया जिसका दायित्व समस्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की उपस्थिति एव लाभार्थियों की प्रतिभागिता कैम्प दिवस पर सुनिश्चित कराना था तथा केन्द्रों के पोषाहार कैम्प के दिन वितरण

http://shasanadesh.up.nic.in/

कराने हेतु रक्षित कराना था। अति कुपोषित को चिन्हीकरण किये जाने हेतु पहले से केन्द्रवार पंजिकायें एवं प्रारूप बना लिये गये।

□ पोषाहार को केन्द्रों से कैम्प तक लाने हेतु हाट कुक्ड योजना के अन्तर्गत संचालित वाहनों को संलग्न कराया गया । 3.5 वर्ष के के लाभार्थियों को कैम्प पर आकर्षित करने के लिये दो-दो बिस्किट के पैकेट की व्यवस्था मार्निग स्नैक्स योजना अन्तर्गत तथा गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को स्वयं सेवी संस्था द्वारा स्वेच्छा से हलुआ वितरित किया गया।

○ पंचायती राज विभाग के सहयोग से ए0एन0एम सेन्टर के आस-पास की साफ-सफाई, तम्बू कनात, कुर्सी, मेज, माइक आदि की व्यवस्था कराई गई। शौचालय के उपयोग की प्रवृति बढ़ाने एवं स्वच्छता के प्रति व्यवहार धारण को प्रेरित करने के लिये बैनर एवं पैम्फलेट वितरित करते हुये जागरूक बढ़ाने की रणनीति बनाई गई।

○ बेसिक शिक्षा विभाग के सहयोग से शहरी क्षेत्रों के प्राइमरी स्कूलों पर कैम्प की व्यवस्था सहित कैम्प में विभागों द्वारा प्रदान की जा रही सुविधायें की व्यवस्था बताने का कार्य दिया गया और जागरूकता लाने का दायित्व दिया गया।

○ पुलस विभाग को कैम्प की शांति व्यवस्था का दायित्व दिया गया।

○ कैम्प आरम्भ होने के पूर्व सभी हैण्डपम्पों को चालू रखते हुये स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था जल निगम के माध्यम से सुनिश्चित करायी गई।

○ बैंक को दायित्व दिया गया कि कैम्प में आने वाले सभी गर्भवती महिलाओं के बैंक खाते कैम्प पर ही खुल जायें ताकि जननी सुरक्षा योजना अन्तर्गत उनको अपेक्षानुसार समुचित एवं तत्काल लाभ मिल सके।

□ जीवन कैम्प को सफल बनाने हुये नोडल अधिकारी को संबंधित केन्द्रों से आच्छादित आंगनबाड़ी केन्द्रों के गर्भवती, धात्री एवं 0.5 वर्ष तक के बच्चों की सम्पूर्ण स्वास्थ्य जांच का दायित्व दिया गया। साथ में टीकाकरण, कुपोषित/अति कुपोषित बच्चों के चिन्हांकन हेतु वृद्वि निगरानी पर स्वास्थ्य टीम के साथ समन्वय व पर्यवेक्षण करने हुये निर्धारित प्रारूप पर माहवार रिपोर्ट प्रेषण का दायित्व दिया गया ।

भावी रणनीति व ट्रैकिंग

- ऐसी गर्भवती/धात्री महिलायें व बच्चे, जो आयोजित जीवन कैम्प में मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रह जाएं, का चिन्हांकन सम्बन्धित आशा, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, ए0एन0एम0 द्वारा ग्राम में अलग से भ्रमण कर किया जाए तथा ए0एन0एम0 क्लीनिक पर इन्हें भी आवश्यक स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध करायी जायें।
- प्रत्येक ए0एन0एम0 सेन्टर पर सप्ताह में एक दिन ए0एन0एम0 क्लीनिक-डे का आयोजन किया जाए, जिसमें समस्त आशा, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, ए0एन0एम0 व चिकित्सकों सहित समस्त सहयोगी स्टाफ की उपस्थिति सुनिश्चित हो सके।

http://shasanadesh.up.nic.in/

- आवश्यकतानुसार नियमित अन्तराल पर पुनः ए0एन0एम0 सेन्टर पर जीवन कैम्प आयोजित किये जायें।
- इन जीवन कैम्पों में अब तक चिन्हित, कुपोषित बच्चे, एनीमिक महिलायें व अन्य रोग से पीड़ित गर्भवती महिलाओं, डायरिया, निमोनिया व अन्य रोग से पीड़ित बच्चों का उपचार आरम्भ कराते हुए प्रत्येक ए0एन0एम0 सेन्टर हेतु एक मेडिकल ट्रैकिंग टीम बनायी जाए।
- नामित नोडल अधिकारी प्रत्येक माह में 2.3 दिन ग्राम में जाकर चिन्हित महिलाओं व बच्चों की बीमारी व कुपोषण को मेडिकल ट्रैकिंग टीम के सहयोग से दूर कराने हेतु सघन निगरानी करें।
- इन नोडल अधिकारियों व मेडिकल ट्रैकिंग टीम के साथ जिलाधिकारी के स्तर पर प्रत्येक माह अनुश्रवण हेतु बैठक भी आयोजित की जाए।

http://shasanadesh.up.nic.in/